हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 7 अप्रैल 2025

11 महासर माता मंदिर में नौ दिनों तक चला मेला नवमी पर सपन्न

12 मंडियों में सरकारी रेट ही नहीं, प्राइवेट में भी बेची जा रही सरसों

खबर संक्षेप

हर्ट फेल होने से वृद्धा की मौत

नारनौल। नवमी के दिन कन्या पूजन करने उपरांत गांव खेड़की (बैरावास) की करीब 61 वर्षीय लच्छो देवी पत्नी जयसिंह का आकस्मिक निधन हो गया। भतीजे बाबूलाल ने बताया कि सवेरे नवरात्र समाप्ति पर कन्या पूजन किया था। कन्याओं को प्रसाद कराने के बाद चाची लच्छो ने भी खाना खाया था। उसी दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा। बिगड़ी हालत में जब उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, तब पल्ह के समीप उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतका अपने पीछे दो बेटी एवं एक बेटा छोड़ गई है।

बाबा रूपादास महाराज का मेला 9 अप्रैल को

मंडी अटेली। बाबा रूपादास महाराज का मेला गांव छापड़ा सलीमपुर में 9 अप्रैल को भरेगा। मेले में बाबा का भंडार, जागरण व खेल प्रतियोगिताएं होगी। जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि मेले में कबड्डी में प्रथम आने वाली टीम को 31 हजार व द्वितीय को 21 हजार, क्रिकेट में प्रथम को 11 हजार व उपविजेता को 7100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। मेले में 51 रुपये से लेकर 21 हजार रुपये तक की कुश्ती करवाई जाएंगी। रात्रि को जयवीर भाटी, सुरेंद्र भाटी एंड पार्टी द्वारा बाबा की महिमा का गुणगान किया जाएगा। इसके अलावा मनु तंवर प छाया चौधरी अपनी प्रस्तुति देंगी।

बाबा भैया का मेला सलूनी में 11 अप्रैल को

नारनौल। गांव सलूनी में 11 अप्रैल को बाबा भैया का मेला व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं को आयोजन किया जाएगा। मेले में विधायक ओमप्रकाश यादव मुख्यातिथि होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि जिला प्रमुख राकेश यादव होंगे। ग्राम सलूनी निवासी विनोद कुमार ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता में वॉलीबॉल समेसिंग, कबड्डी प्रो नेशनल व कुश्तियां आयोजित की जाएगी। वॉलीबॉल प्रतियोगता की विजेता टीम को 31 हजार व उपविजेता टीम को 21 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

नगरकोट धाम नांगल सोडा में भंडारा आज

नारनौल। सिद्ध शक्तिपीठ मां अन्नपूर्णा नगरकोट धाम नांगल सोडा में सात अप्रैल को भक्त समागम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। विशाल भंडारे व जागरण भी होगा। जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा महामाई का गुणगान करेंगे। धाम की गद्दी पर विराजमान गुरु मां अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि सात अप्रैल को होने वाले भक्त समागम में हिंदुस्तान के प्रत्येक क्षेत्र से भक्त नांगल सोडा धाम माता अन्नपूर्णा के दरबार में इस समागम में शामिल होने पहुंचेंगे।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक कल

नारनौल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर फेडरेशन ऑफ इंडिया के जिला महेंद्रगढ़ रिटायर्ड कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों की बैठक आठ अप्रैल को यादव धर्मशाला में सुबह 10 बजे होगी। जिसकी अध्यक्षता संघ के जिला प्रधान घनश्याम शर्मा करेंगे। जिला प्रधान ने रिटायर्ड कर्मचारी संघ के सभी सदस्यों से बैठक में भाग लेने की अपील की है।

साइबर ठगी करने वाला आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। फोन पर जानकार बनकर क्यूआर कोड के माध्यम 19 हजार रुपये की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान सकील वासी राधा नगरी जिला भरतपुर राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस ने जांच में आरोपित साइबर ठगों के लिए सिम व खाते उपलब्ध कराता था। आरोपित को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

कंडम बिल्डिंग को गिराने की लेटलतीफी में पहले भी बजट हो चुका लेप्स

शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज ग्राउंड पर मालिकाना हक का विवाद 5 साल से अदालत में विचाराधीन, कैंपस निर्माण की अटकी प्रक्रिया

ज्वाइंट खाते की जमीन में एक हिस्सेदार की ओर से अपना हक मांगने से विद्यार्थियों की बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭|नांगल चौधरी

शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय कॉलेज के ग्राउंड पर मालिकाना का विवाद करीब पांच साल से अदालत में विचाराधीन है। सुनवाई लंबित होने के कारण विभाग ने कैंपस के निर्माण की भी प्रक्रिया रोक दी। जिस कारण कॉलेज प्रशासन को सुविधा पूर्वक कक्षाएं लगाना मुश्किल हो रहा है। दूसरी तरफ विपरीत मौसम में कॉलेज के पंजीकृत करीब 1400 विद्यार्थियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। समस्या से विभागीय अधिकारी भी अवगत हैं, लेकिन कोई विकल्प नहीं होने के कारण समाधान निकालना संभव नहीं हो पाया है।

शुरुआती चरण में नांगल चौधरी में निजी कॉलेज स्थापित कराई थी, उस दौरान सीनियर सेकेंडरी स्कूल के एक पार्ट में कॉलेज की कक्षाएं तथा एक विंग में स्कूल की कक्षाएं निर्धारित की गई थी। जिससे ग्रामीण विद्यार्थियों को नजदीकी संस्था में उच्च शिक्षा हासिल करने की सुविधा मिली थी। इसके बाद 1996 में सरकार ने निजी कॉलेज को अंडरटेकिंग करके सरकारी संस्था का दर्जा दे दिया। जमीन के मापदंड पूरे करने के लिए सीनियर सेकेंडरी स्कूल का ग्राउंड कॉलेज के नाम कराया गया था। ग्राउंड के साथ में चौधरी परिवार की संयुक्त जमीन लगती थी, हिस्सेदारों ने स्वेच्छा से जमीन को कॉलेज के नाम डोनेट कर दिया। कॉलेज को पूर्ण रूप से विभागीय संस्था की अप्रूवल मिलना संभव हो पाया था, लेकिन भवन निर्माण के बजट को स्वीकृति नहीं मिली। करीब 20 साल तक

नांगल चौधरी। शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज। फोटो : हरिभूमि

सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पुराने भवनों में कक्षाएं लगाई गई थी। अधिकांश कमरों का प्लास्टर गिरना शुरू हो गया। दीवारों में दरार पड़ने की समस्या पर कॉलेज प्रशासन ने पीडब्ल्यूडी विभाग से भवनों का निरीक्षण कराया था। विभाग ने कॉलेज की पूरी बिल्डिंग को कंडम करार दिया तथा नया कैंपस निर्माण का सुझाव दिया।

कैंपस निर्माण की गारंटी पर सीटें हुई थी बहाल

कंडम बिल्डिंग गिराने के बाद यूनिवर्सिटी की ओर से कॉलेज का निरीक्षण गया गया था। उस दौरान कमरे उपलब नहीं होने की वजह से यूनिवर्सिटी ने आर्ट संकाय की सीटें घटा दी थी। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने जल्द ही नया कैंपस निर्माण कराने तथा विकल्प होने का आश्वासन देकर सीटों को बहाल कराया था, लेकिन अभी तक कॉलेज में बिना पर्याप्त भवनों के कक्षाएं लग रही हैं।

अदालती फैसला आने के बाद ही कैंपस का निर्माण संभव

प्राचार्य डा. अनिल यादव ने बताया कि कॉलेज के ग्राउंड में धर्मार्थ प्याऊ की जमीन शामिल है। जिसके कई हिस्सेदार हैं। एक हिस्सेदार ने अपना हिस्सा वापस लेने के लिए कोर्ट में केस दायर कर दिया। जिस कारण नए कैंपस के निर्माण में देरी हो रही है। विवाद अब सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, जो भी फैसला आएगा वह विभाग को मान्य रहेगा। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू रूप से जारी रखने के लिए कमरों का प्रबंध किया गया है तथा सभी कक्षाएं नियमित रूप से लग रही हैं।

निर्माण कार्यों में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता

हुडा सेक्टर में सड़क निर्माण सैंपल फेल! पूर्व मंत्री ने भी सवाल उठा लिखा पत्र

- इंजीनियरिंग विभागों के कामों की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रतिष्ठित लैब से टेस्ट करवाने का दिया सुझाव

हरिभूमि न्यूज ⏭|नारनौल

शहरी विकास प्राधिकरण (हुडा) के एक मात्र सेक्टर में नगर परिषद द्वारा हाल ही में सड़कों के पुनर्निर्माण की गुणवत्ता प्रारंभ से ही संदेह के घेरे में रही है। जहां निर्माण के समय सैक्टर वासियों द्वारा इसके निर्माण पर संदेह जताते हुए विभाग के अधिकारियों को बार बार शिकायत की गई वहीं यह मामला शिकायत निवारण समिति की बैठक में भी चर्चा में आया। इस मामले को हरिभूमि ने लगातार उठाया। अब ताजा स्थिति यह है कि स्थानीय पार्षद की मांग पर इस निर्माण सामग्री का एक सैंपल श्रीराम लैब दिल्ली को भेजा गया था और ख़बर है कि यह सैंपल फ़ेल हो गया। इसमें उपयोग की गई निर्माण सामग्री निर्धारित मापदंडों को पूरा नहीं कर पाई। इसी मामले में अब हुडा सेक्टर में रहने वाले पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने भी अब सवाल उठा दिए है। पूर्व मंत्री ने इस संबंध में शहरी विकास मंत्री विपुल गोयल को पत्र लिखकर इन सड़कों के पुनर्निर्माण में सुधार करने की आवश्यकता पर बल देने का आग्रह किया है।

हरिभूमि के पास मौजूद पूर्व मंत्री के इस पत्र में लिखा है कि निर्माण के समय भी सेक्टर वासियों ने इस पर एतराज़ जताया था और उन्होंने स्वयं भी इसके बारे में अधिकारियों से

नारनौल। हरिभूमि में 14 जनवरी को प्रकाशित समाचार तथा हरिभूमि में 14 मार्च को प्रकाशित समाचार।

बात की थी परंतु उन्होंने अपने स्तर पर कोई सुधार नहीं किया।

इसके परिणाम स्वरूप घटिया सामग्री द्वारा यह रोड बना दिए गए। उन्होंने कहा कि छह/सात वर्षों से ज़्यादा समय बाद इन सड़कों का पुनर्निर्माण हुआ है और आगे कम से कम पांच वर्ष इनको पुनः बनाने की उम्मीद नहीं है। यदि इन सड़कों को इसी हालत में छोड़ दिया गया तो कुछ समय बाद ही यह सड़कें उसी हालत में पहुंच जाएंगी। उन्होंने यह भी लिखा है कि विभाग की स्थापित परिपाटी अनुसार ठेकेदार पर कुछ जुर्माना लगाकर मामले को ख़त्म कर दिया जाएगा, परंतु इससे सड़कों में सुधार नहीं होने वाला। ऐसे में अनुरोध किया गया है कि इन सड़कों पर गुणवत्ता युक्त सामग्री की एक परत पुनः डाली जाए ताकि ये सड़कें निर्धारित समय तक चल सकें।

हरिभूमि ने उठाया था मुद्दा

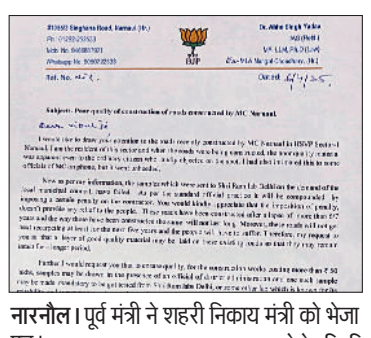

नारनौल। पूर्व मंत्री ने शहरी निकाय मंत्री को भेजा पत्र। फोटो :हरिभूमि

जल भंडार व नहर पक्का करने के कार्य के भी लें सैंपल

इसी प्रकार सिंचाई विभाग द्वारा नांगल चौधरी हल्के में बड़े जल भंडार बनाए जा रहे हैं एवं नहरों का व्यापक स्तर पर पक्का करने का काम भी पूरे जिले में हो रहा है। इन सभी निर्माण कार्यों के सैंपल भी जिला प्रशासन द्वारा संबंधित एसडीएम की देख रेख में लिया जाए और श्रीराम लैब दिल्ली जैसी विश्वसनीय एवं प्रतिष्ठित किसी लैब को भेजकर इन कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार विकास के लिए दिल खोलकर बजट उपलब्ध करवा रही है। यदि इस पैसे का सही और समुचित उपयोग सुनिश्चित कर लिया जाए तो विकास की एक नई तस्वीर दिखाई देगी और आम जनता का सरकार व अधिकारियों में विश्वास अधिक मजबूत होगा। उन्होंने विभाग के अधिकारियों से कहा है कि अक्सर यह देखा जाता है कि संबंधित विभाग के जेई स्तर के अधिकारी भी मौक़े पर काम की निगरानी लगातार नहीं करते और काम को केवल ठेकेदार के कारिंदों के भरोसे छोड़ दिया जाता है। ऐसी स्थिति में गुणवत्ता के साथ छेड़-छाड़ होना स्वाभाविक है। सभी इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्माण की लगातार निगरानी सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि सरकार एवं विभाग को अवांछित आलोचना का शिकार न होना पड़े।

50 लाख से अधिक निर्माण कार्यों के सैंपल लें प्रशासन

इसके साथ ही पूर्व मंत्री ने सुझाव देते हुए लिखा है कि 50 लाख रुपये से ज़्यादा के कामों के निर्माण कार्यों से जिला प्रशासन के एक प्रतिनिधि की उपस्थिति में सैंपल लिया जाए तथा उसे किसी विश्वसनीय एवं पारदर्शी लैब से टेस्ट करवाया करवाया जाए। यह प्रावधान न केवल शहरी विकास विभाग में अपितु सभी इंजीनियरिंग विभागों द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक कर दिया जाए। उन्होंने जिला प्रशासन से अनुरोध किया कि चुनाव से पहले किए गए टैंडर के आधार पर जिले की नगरपालिकाओं में सीमेंट के रोड बनाने के काम के साथ ही समस्त जिले में लोक निर्माण विभाग द्वारा बड़े पैमाने पर सड़कों के पुनर्निर्माण का कार्य चल रहा है।

नांगल चौधरी। जवान को श्रद्धांजलि देते सीआरपीएफ के जवान। फोटो : हरिभूमि

सीआरपीएफ जवान को सशस्त्र सलामी देकर दी अंतिम विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭|नांगल चौधरी

सैदअलीपुर निवासी सीआरपीएफ के जवान इंद्रजीत सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गई है। दिवंगत जवान को पैतृक गांव में सशस्त्र सलामी देकर अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान पार्थिव शव लेकर गांव पहुंचे सीआरपीएफ जवानों ने परिजनों को हर संभव सहायता मुहैया कराने का आश्वासन दिया।

परिजनों ने बताया कि रामसिंह के दो पुत्र हैं, बड़ा बेटा एसएसबी में सेवारत है। छोटा पुत्र इंद्रजीत 2012 में सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था। करीब 13 साल के सेवाकाल में उन्होंने विभिन्न चेकपोस्टों पर सेवाएं दी है। वर्तमान में गुरुग्राम में पोस्टेड थे तथा शनिवार को घर के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान बाछोद के पास एक अनियंत्रित डंपर से बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में सीआरपीएफ जवान की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर घटना स्थल पर पहुंचे विभागीय जवानों ने दिवंगत जवान को अस्पताल पहुंचाया। जहां पोस्टमार्टम होने के बाद शव को साथी जवानों के सुपुर्द किया गया। रविवार की सुबह करीब 11 बजे सीआरपीएफ के जवान पार्थिव शरीर लेकर पैतृक गांव में पहुंचे। जहां ग्रामीणों ने भारत माता व वंदे मातरम के नारे लगाते हुए दिवंगत जवान की अगुवानी की। आठ वर्षीय पुत्र ने मृतक जवान को मुखाग्नि दी है। उनके पीछे मात पिता, पत्नी व दो बच्चों समेत भरापूरा परिवार है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

नारनौल। लगन समारोह से लौटते वक्त आदलपुर मेन रोड दादरी-महेंद्रगढ़ पर बने ढाबा परहंस बीजेआरडी के समीप डंपर एवं बाइक में टक्कर होने से यशपाल वासी गांव मिश्री जिला दादरी की मौत हो गई। पुलिस को दिए बयान में बधवाना जिला चरखी दादरी विजय सिंह ने बताया कि वह अपने साथ सचिन निवासी खातोदड़ा-महेंद्रगढ़ के लगन प्रोग्राम में शामिल होकर जब वापस आ रहे थे, तब उनके आगे-आगे यशपाल भी अपनी बाइक पर चल रहा था। जब आदलपुर के समीप थे, तब ढाबा परमहंस बीजेआरडी के सतीप एक डंपर चालक ने गफलत, लापरवाही से चलाते हुए एकदम से ब्रेक मार दिए, जिससे यशपाल की मोटरसाइकिल डंपर से जा टकराई और वह वहीं पर गिर गया।

अप्रैल के पहले सप्ताह में ही नारनौल में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

नारनौल। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है। सम्पूर्ण इलाके में लगातार दिन व रात के तापमान में उफान जारी है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले तीन चार दिनों तक सम्पूर्ण इलाके में गर्मी अपने तेवरों को और अधिक प्रचंड करेंगी। बता दें कि वर्तमान में किसी भी मौसम प्रणाली के अभाव व सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम साफ और शुष्क बना हुआ है। थार मरुस्थल से सीधी शुष्क व उष्ण पश्चिमी हवाओं ने सम्पूर्ण इलाके से वातावरण से धीरे धीरे नमीं को सोखकर साथ ही सुबह से शाम तक सूर्य देव की चटक चमकदार धूप खिली रहने से गर्मी के तेवरों को अप्रैल महीने में ही मजबूत बना दिया है। आमतौर पर अप्रैल महीने में पहले पखवाड़े में मौसम सुहावना बना रहता है और अंतिम सप्ताह में धीरे धीरे गर्मी अपने रंग दिखाती है, लेकिन इस साल अप्रैल महीने की शुरूआत में ही हरियाणा के कुछ स्थानों पर हीट वेब की परिस्थितियां बनने लगी है। मौसम विशेषज्ञ डा. चंद्र मोहन ने बताया कि रविवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन का तापमान 37.0 डिग्री सेल्सियस से अधिक व कुछ स्थानों पर दिन का तापमान 40.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। साथ ही सम्पूर्ण इलाके में रात्रि तापमान में भी उछाल देखने को मिल रहा है।

- गर्मी ने पकड़ी रफ्तार, दिन व रात के तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी

महेंद्रगढ़ स्टेशन पर गाड़ियों के ठहराव की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭|महेंद्रगढ़

रेलवे स्टेशन पर नई ट्रेनों का ठहराव, विस्तार, फेरे बढ़ाने व ट्रेनों का समय परिवर्तन करने की मांग को लेकर दैनिक रेलयात्री महासंघ ने सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह को ज्ञापन सौंपा। दैनिक रेलयात्री महासंद्य के अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन प्रदेश के सबसे पुराने रेलवे स्टेशनों में से एक है। इसके बावजूद भी महेंद्रगढ़ स्टेशन पर लंबी दूरी व एक्सप्रेस गाड़ियों का ठहराव नहीं हो रहा है, जिससे क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से गाड़ी संख्या.12259-60 सियालदह दुरंतो से बीकानेर व गाड़ी संख्या 12323-24 हावड़ा से बाड़मेर का ठहराव कराने, गाड़ी संख्या 19701-02 सैनिक एक्सप्रेस जयपुर-दिल्ली का विस्तार चंडीगढ़ तक करने, गाड़ी संख्या 54789-90 बीकानेर रेवाड़ी-पैसेंजर का विस्तार दिल्ली तक तथा हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर से सादलपुर तक एक या दो गाड़ियों का विस्तार रेवाड़ी तक करने और महेंद्रगढ़ स्टेशन पर टिकट एक्सामिनियर की पोस्ट खोलने की मांग की।

- दैनिक रेलयात्री महासंघ ने सांसद को ज्ञापन सौंपा

महेंद्रगढ़। सांसद को ज्ञापन सौंपते दैनिक रेलयात्री महासंघ के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

नांगल चौधरी। दिल्ली में पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की समाधी पर श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी नेता विनोद भील।

पूर्व उप प्रधानमंत्री की समाधी पर कांग्रेसी नेता की श्रद्धांजलि से राजनीतिक उलटफेर की तेज हुई अटकलें

नांगल चौधरी। कांग्रेस के टिकटार्थी रहे व जिला पार्षद विनोद भील ने दिल्ली पहुंचकर पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की समाधी पर श्रद्धांजलि दी है। इस दौरान उन्होंने चौटाला परिवार की जमकर तारीफ की और दुष्यंत चौटाला को दूरदर्शी राजनितिज्ञ बताया है। जिससे नांगल चौधरी हलके के राजनीतिक समीकरणों में बड़ा उलटफेर होने की चर्चाएं तेज हो गई है। हलके में जल्द ही जजपा की रैली निर्धारित होने की अटकलें होने लगी हैं। आपको बता दें कि पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की पुण्य तिथि पर जननायक जनता पार्टी ने दिल्ली में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। जहां प्रदेश भर के जजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने दिवंगत नेता को पुष्प अर्पित किए। पार्टी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अभिमन्यू राव, पूर्व हलका प्रधान हजारीलाल लंबोरा, लीगल सेल के जिला प्रधान एडवोकेट प्रमोद ताखर की उपस्थिति में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विनोद भील ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि चौ. देवीलाल ने कभी भी जातिवाद और क्षेत्रवाद की राजनीति नहीं की। गरीब, किसान व युवाओं के लिए उन्होंने जीवनभर संघर्ष किया था। बुजुर्गों के लिए सम्मान भत्ता स्कीम लागू की है। ट्रैक्टर समेत विभिन्न कृषि उपकरणों को उन्होंने टैक्स मुक्त करके किसानों को राहत दी है।

सात को बाघोत में विधायक कंवर सिंह यादव रहेंगे मौजूद

हरियाणा उदय: साइक्लोथॉन 2.0 का आज बाघोत में होगा भव्य स्वागत, 47 हजार से अधिक पंजीकरण

- आठ को आईटीआई से विधायक ओमप्रकाश यादव करेंगे यात्रा को रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭|नारनौल

हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम के तहत प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से ड्रग फ्री हरियाणा के तहत एक साइकिल यात्रा नशा मुक्ति के नाम थीम पर आधारित इस साइकिल यात्रा को लेकर जिला महेंद्रगढ़ के साइकिलिस्ट में भारी उत्साह है। जिला के 47000 से अधिक साइकिलिस्ट ने इसके लिए पंजीकरण करवाया है। यह प्रदेश में सर्वाधिक है। दूसरे नंबर पर हिसार में 43551 नागरिकों ने पंजीकरण कराया था। पहले दिन सात अप्रैल को साइक्लोथॉन 2.0 यात्रा बाघोत से चलकर नारनौल तक चलेगी।

वहीं अगले दिन यानी आठ अप्रैल को आईटीआई नारनौल से रवाना होकर रेवाड़ी के लिए चलेगी। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने बताया कि नागरिक पंजीकरण कर सकते हैं। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन जन भागीदारी के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाएगा। रूट पर पड़ने वाले प्रत्येक गांव में साइकिलिस्ट का भव्य स्वागत किया जाएगा। इस यात्रा में विभिन्न गांवों से साइकिलिस्ट का काफिला जुड़ता जाएगा।

ये रहेगा साइक्लोथॉन का रूट चार्ट

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने बताया कि आगामी सात अप्रैल को श्साइक्लोथॉन 2.0 जिला चरखी दादरी के गांव चिड़िया से जिला महेंद्रगढ़ के गांव बागोत में प्रवेश करेगी। यह साइक्लोथॉन बागोत से सेहलंग, मालड़ा, माजरा कलां, माजरा खुर्द, महेंद्रगढ़, नांगल सिरोही व हुडिना से नारनौल में संपन्न होगी।

अगले दिन आठ अप्रैल को सुबह आईटीआई नारनौल से बाछौद, खोड़, सलीमपुर, चंदपुरा गांव से होते हुए रेवाड़ी जिला में प्रवेश करेगी।

साइकिलिस्ट का फूल मालाओं से करेंगे स्वागत

युवाओं को नशे से बचाने की मुहिम के साथ राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिस साइक्लोथॉन 2.0 को हिसार से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था, वह सात अप्रैल को जिला के गांव बाघोत में पहुंचेगी। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधि व उपायुक्त डा. विवेक भारती सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे तथा साइकिलिस्ट का फूल मालाओं से स्वागत करेंगे। सात अप्रैल को बाघोत में महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव मौजूद रहेंगे। वहीं आठ अप्रैल को आईटीआई से विधायक ओमप्रकाश यादव यात्रा को रवाना करेंगे।

हांसी की स्थापना

हांसी, हरियाणा राज्य का एक प्राचीन और ऐतिहासिक शहर है। ऐसा माना जाता है कि हांसी की स्थापना राजा अनंगपाल विहंगपाल तोमर ने अपने गुरु ' हंसकर ' (957 ई.) के लिए की थी। बाद में, राजा अनंगपाल तोमर के पुत्र द्रुपद ने इस किले में तलवार बनाने का कारखाना स्थापित किया, इसलिए इसे ' असीगढ़ ' भी कहा जाता है। इस किले से तलवारें अरब देशों तक निर्यात की जाती थीं। हांसी में स्थित असीगढ़ का किला पृथ्वीराज चौहान ने 12वीं सदी में बनवाया था।

सभ्य समाज के लिए आवश्यक हैं मर्यादाएं

संस्कार

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

किसी भी देश अथवा प्रदेश की बात हो पर जहां समाज और सामाजिकता की बात आती है वहां मर्यादाएं स्वतः स्थापित हो जाती हैं। समाज के कर्णधारों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि उक्त समाज किन-किन नियमों का अनुकरण करते हुए आगे बढ़ेगा। यह नियम अथवा मर्यादाएं ज्यादातर आचरण, वेशभूषा या भाषा जैसे सन्दर्भों को लेकर होती हैं।

जब मर्यादाएं टूटती हैं या फिर तोड़े जाने की कोशिश होती है तो उसके विपरीत स्वर उठते हैं। किन्तु कई बार हम कुछ बातों को लेकर अधिक उदार हो जाते हैं तथा इन्हें बदलते समय की आवश्यता मान कर चुप्पी साध लेते हैं, जिसका परिणाम भयंकर होता है। तब स्थितियां इतनी विस्फोटक हो जाती हैं कि हम चाहकर भी कुछ नहीं कर सकते। विगत कुछ दशकों में सम्पूर्ण भारत में आचरण और भाषा को लेकर जो सामाजिक पतन हुआ है, उससे हम सभी परिचित हैं। ऐसे में हरियाणा का इससे अछूता रह पाना असंभव था। जिस समाज में गाँव की बेटी पूरे गाँव की इज्जत मानी जाती थी और सारे गाँववासी उसे अपनी बहन या बेटी मानते थे, उसी समाज में आज गाँव की तो छोड़िए समान जाति और गोत्र में युवा विवाह कर रहे हैं। श्रीमद्भागवत गीता की वर्ण-शंकर की अवधारणा तो सच हो ही रही है अपितु इस विषय में आधुनिक काल के वैज्ञानिकों के द्वारा स्थापित तर्क भी गौण होकर रह गये हैं। इस समस्या का हल हम खोज भी नहीं सके कि एक दूसरी भयानक समस्या हमारे समाज के सामने मुंह उठाए खड़ी है और हम सब अपने-अपने आनंद में डूबे हैं। इस अघोषित प्रलय जिसके सम्बन्ध में हम सभी बेखबर न होकर भी आँखें बंद किये हैं। आप विश्वास कीजिए हमारी लापरवाही समाज में भाषा के सौन्दर्य के साथ-साथ

संस्कारों को भी बहा ले जाएगी। मीडिया के विभिन्न माध्यमों से आम बोल-चाल में शामिल हो गए उपलब्ध सामग्री से संवाद अब सामान्य बातचीत के दौरान हो रही गाली-गलौच और मार-पीट का हिस्सा हो गये हैं तो वहीं आजकल प्रचलित गीत ऐसी स्थिति में पार्श्व संगीत का कार्य करते हैं। तभी वर्ष 2015 में शादियों में बढ़ती हर्ष फायरिंग के बाद से डीजे के गानों को लेकर सर्व खाप पंचायत रोहतक, झज्जर और सोनीपत ने इस पर आपत्ति उठाई थी। हमारा भारतीय समाज श्रेष्ठ साहित्य और संदेशों से बहुत दूर हो गया है।

हम भूल गए हैं कि शब्दों का अपना प्रभाव होता है। शब्द 'ब्रह्म' की मान्यता दुनिया के सम्मुख स्थापित करने वाले देश के लोग ही शब्द की मर्यादा भूल गए हैं। हमारे समाज का कोई भी अंग शब्दों के प्रति संवेदनशील नहीं है। इस विषय पर आप गंभीरता से नहीं अपितु सामान्य रूप से भी विचार करेंगे तो स्थितियां भयावह प्रतीत होंगी। राजनीतिक, साहित्यिक, कला आदि हर क्षेत्र में कार्य कर रहे व्यक्तियों द्वारा प्रयोग किये जा रहे शब्द किसी भी सहृदय व्यक्ति के हृदय को लहूलुहान करने का सामर्थ्य रखते हैं। देश की दिशा तय करने का दंभ भरने वाले राजनेताओं द्वारा समूचे राष्ट्र के विभिन्न सदनों में प्रयोग होने वाली भाषा के स्तर से देश का हर नागरिक परिचित है। यही लोग जब मीडिया के माध्यम से जन सामान्य से रूबरू होते हैं तो फिर सोने पर सुहागा जैसी स्थितियां हो जाती हैं। इसके ऊपर किसी भी प्रकार की अतिरिक्त टिप्पणी की आवश्यता यहां दिखाई नहीं देती। इसी प्रकार संचार क्रांति के चलते लगभग पूरे देश में देखे जा रहे सभी ओटीटी प्लेटफार्म्स ने इसी प्रदूषित नदी के प्रवाह को आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

ओटीटी, ऐसे प्लेटफॉर्म हैं, जहां सिनेमा का एक अलग लेवल देखने को मिलता है। जहां सिनेमाघरों में मूवी को सेंसर बोर्ड पास कर अश्लील दृश्यों पर कैंची चलाता है, वहीं ओटीटी पर प्रस्तुत की जाने वाली वेबसीरीज में गाली-गलौच, द्विअर्थी संवाद और नग्नता ही इनकी खूबसूरती मानी जाती है। अधिकतर वेबसीरीज में भाषा की सभी मर्यादाओं के उल्लंघन के साथ-साथ बॉलीवुड की फिल्मों द्वारा स्थापित किए गए

अधिकतर वेबसीरीज में भाषा की सभी मर्यादाओं के उल्लंघन के साथ-साथ बॉलीवुड की फिल्मों द्वारा स्थापित किए गए नग्नता के सभी कीर्तिमानों को ध्वस्त करने का शर्मनाक कार्य भी किया है। इस सन्दर्भ को जब आगे बढ़ाते हैं तो सोशल मीडिया पर दृष्टिपात करना आवश्यक जान पड़ता है। दरअसल, वह सोशल मीडिया ही है जो आज भाषा की मर्यादा का चीरहरण करने में सबसे आगे है।

नग्नता के सभी कीर्तिमानों को ध्वस्त करने का शर्मनाक कार्य भी किया है। इस सन्दर्भ को जब आगे बढ़ाते हैं तो सोशल मीडिया पर दृष्टिपात करना आवश्यक जान पड़ता है। दरअसल वह सोशल मीडिया ही है जो आज भाषा की मर्यादा का चीरहरण करने में सबसे आगे है। सोशल मीडिया में चाहे यूट्यूब हो, फेसबुक हो, इंस्टाग्राम हो या इसी श्रेणी का कोई अन्य प्लेटफार्म हो; सभी की स्थिति एक जैसी है। कुछ समय पहले यह कहने वाले लोग कि फिल्मी कलाकार अथवा छोटे परदे के कलाकार इस प्रकार की द्विअर्थी शब्दावली का प्रयोग करते हैं कि आप परिवार के साथ बैठकर उनके कार्यक्रम नहीं देख सकते, आज स्वयं वैसा ही कंटेंट तैयार करते हैं। अंतर केवल इतना ही है कि टीवी चैनलों के लोग टीआरपी के लिए वैसा करते रहे हैं और ये लोग वायरल होने के लिए। आप ही बताइए क्या सोशल मीडिया के माध्यमों द्वारा तथाकथित कलाकारों यानि कंटेंट क्रिएटर द्वारा परोसी जा रही सामग्री बच्चों के साथ बैठकर देखने लायक है? हाँ, ये लोग जो खुद को सामाजिक जिम्मेदार बताते हैं, ऐसा दिखाने के लिए 'यूज इयर फोन...' लिखना नहीं भूलते। कल तक समाज की ठेकेदारी का जिम्मा लेने वाले अधेड़ उम्र के अनेक लोग यहाँ अपने बेटे, बेटी और बहुओं के साथ पूरी तन्मयता से इस प्रकार की सामग्री तैयार करने में संलग्न नज़र आते हैं। आखिर ऐसा करने से माता लक्ष्मी की कृपा जो होती है। ऐसे लोग ढूँढने के लिए आपको भारत घूमने की आवश्यता नहीं है बल्कि यह हरियाणा में भी आपके आसपास ही सरलता से प्राप्य हैं। पिछले दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बने उस यूट्यूब कार्यक्रम और उसके कलाकारों के नाम भी आप भूले नहीं होंगे जिसमें माता-पिता के संबंधों पर बच्चों से प्रश्न किए जा रहे थे। इन्हीं सब प्लेटफार्म्स पर युवाओं को गुमराह करने वाले द्विअर्थी शब्दों, गाली-गलौच, मार-धाड़ (गन कल्चर), शराब को

लाभप्रद और उत्साहवर्धक पेय दर्शाने वाले गीत, फिल्म और रील आदि की भरमार है। इन सभी प्लेटफार्म्स पर उपलब्ध कंटेंट ने जहां भाषा की मर्यादा को समाप्त किया है वहीं ओटीटी प्लेटफार्म्स की अश्लील सामग्री परोसने की आदत का सहयोग भी किया है। शब्दों के अमर्यादित प्रयोग की यह कहानी यहीं समाप्त नहीं होती। कुछ और तत्त्व भी इस आग में घी डालने का कार्य करते हैं, जिनमें प्रमुख हैं कवि सम्मलेन और कॉमेडी शो जैसे आयोजन। कुछ समय पहले एक विश्वश्विद्यालय के कुलपति ने कवि सम्मलेन कराने से स्पष्ट मना कर दिया। उन्होंने बताया कि हमने कई वर्ष पहले ऐसा कार्यक्रम करवाया था। उसमें तीन-चार कवि-कवयित्रियों ने मंच से अपनी अभद्र भाषा और द्विअर्थी संवादों से जो गन्दगी फैलाई, उसके बाद हमने भविष्य में कवि सम्मलेन न कराने का निर्णय ले लिया।

इसी तरह का कार्य हास्य के नाम पर अनेक कार्यक्रमों में हास्य-कलाकारों द्वारा किया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में जब कभी राजनीतिक लोग इस बारे में कुछ कदम उठाने का प्रयास करते हैं तो वहां भाई-भतीजावाद और जाति-सम्प्रदाय जैसी सामाजिक बीमारियाँ उठ खड़ी होती हैं। इसका ताजा उदाहरण फिर हरियाणा से हमारे बीच में आया है, जब सरकार इस प्रकार के कंटेंट को सोशल मीडिया से हटाना चाहती है। सरकार की तरफ से इस सम्बन्ध में कानून बनाने की बात भी कही जा रही है। लेकिन आवश्यकता है कि कार्य साफ नियति से पूरा किया जाए। इस समस्या के सन्दर्भ में अधिक विस्तार में जाने की अपेक्षा समाधान की दिशा में सकारात्मक चिंतन रखते हुए विचार करना अपेक्षित है। अनेक राजनेता, फिल्में, ओटीटी वेब सीरीज, सोशल मीडिया मंच अच्छा कार्य कर रहे हैं। कई नेता और साहित्यकार भी अपने मानक व्यवहार और भाषा के लिए स्मरण किए जाते हैं। इस संक्रमण से स्वयं और समाज को बचाने का प्रयास करना होगा, तभी इस समस्या का निराकरण संभव है; अन्यथा अभद्र भाषा, अश्लील चलचित्र, शराब और बन्दूक पर आधारित गीत सुनाकर अपने बच्चों से संस्कारी होने की अपेक्षा न रखने का अधिकार हम खो देंगे।

कविता | इन्द्र सिंह लाम्बा

जगत में बड़ा बताया प्यार

हे जी, हे जी, जगत में बड़ा बताया प्यार।
प्यार बिना इस दुनिया के मा जीणा है बेकार।

श्री रामचंद्र और हनुमान में कितना गहरा प्यार था।
शक्ति बाण लगया लक्ष्मण क होया बड़ा लाचार था।
बूटी लाएं हनुमान जी करया बड़ा उपकार था।
कृष्ण और सुदामा जी की बचपन में हुई थी यारी।
कृष्ण तो महाराजा था सुदामा कै था टोटा भारी।
जब गया सुदामा कृष्ण धौरे दूर कर दी ब्याधा सारी।
उन दोनों के प्यार नैं आज जाणै सै संसार।

भामाशाह और महाराणा ने प्यार से करया था काम।
प्यार के कारण भामाशाह ने बहोत से दिए थे दाम।
इसी ही वजह से उनका दुनिया में होया स नाम।
नर से बाज पठान और अमर सिंह जो था राठौड़।
पठान पड़ा था घायल प्यास लागरी थी दम तोड़।
पाणी प्या दिया अमरसिंह नै प्यार बिना भला के थी लोड।
फेर पगड़ी बदले यार बणे करे पक्के कोल करार।

.प्यार बिना हो इसी जिंदगी जैसे सुर बिन होता गीत।
प्यार करो और प्यारा बोलो हो ज्यागी थारी जग में जीत।
प्यार से जीवन सफल बणै वेदों म बतलाइ रीत।
प्यार करो सच्चे दिल त आपस की फूट रह कोन्या
सत्यमेव जयते कती भी झूठ रह कोन्या।
ब्लैकमेल,बेईमानी,ठग्गी फेर या लूट रहै कोन्या।
सतगुरु की कृपा से करता इंदर सिंह प्रचार।

रागनी | भूपसिंह भारती

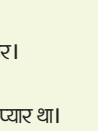

एक रात सुपने म्ह

एक रात सुपने म्ह मेरै बाबा साहेब आये।
जीवन म्ह आग्गै बढ़णे के, रस्ते तीन बताये।। टेक।

सुपने के म्ह भीमराव नै, आकै बात बताई।
बेशक भूखे रह जाणा, पर छोड़ो नहीं पढ़ाई,
सुपने म्ह तै उठके भाई, मैं देखूं ढाये बांये।।।

दूजा रस्ता भीमराव ने, एक्का का बतलाया,
घर की फूट बुरी हो सै, न्यू बहुजन को समझाया,
हक सारा म्हारा खाया, और जोर जुल्म भी ढाये।2।

सारे कट्ठे होकै भाई, अपणे हक नै पाओ,
लड़ो मरो संघर्ष करो, ना मन म्ह घबराओ,
खुद नै शेर बणाओ, बलि बकरे की दी जाये।3।

छोड़ो सभ पाखंड को, ये अपणी रीत नहीं,
चाल बुद्ध की राह बावळे, फेर हो जीत सही,
देख भारती बात यही, सुपने म्ह भीम समझाये।4।

जगत में बड़ा बताया प्यार।
प्यार बिना इस दुनिया के मा जीणा है बेकार।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक | अंग्रेजों ने भारत में नमक की तस्करी रोकने के लिए एक लंबी सीमा शुल्क बाधा बनाई थी, जिसे 'भारतीय ग्रेट हैज' के नाम से जाना गया

देश में सर्वाधिक लम्बाई की रही कंटीली बाड़

इतिहास | यशपाल गुलिया

आपने 'ग्रेट वाल ऑफ चाइना' के बारे मे तो सुना व पढ़ा होगा लेकिन 'भारतीय ग्रेट हैज' के बारे में शायद ही कभी सुना होगा। यह अंग्रेज प्रशासन द्वारा निर्मित ऐसा क्रियाकलाप था जो न केवल भारतीय प्रजा का शोषण करता था बल्कि प्रत्येक वस्तु पर कर लगाने का भी प्रमाण है।

वर्तमान काल में सबसे सस्ती जीन्स नमक को माना जाता है। अंग्रेजों ने नमक पर कर लगाने के भी ऐसे उपाय किए थे कि प्रजा पर अनावश्यक आर्थिक तानाशाही डाली हुई थी। नमक का मूल्य एवं कर इतना बढ़ा दिया था कि उस आवश्यक जीन्स के लिए लोगों को ब्लैक करना पड़ गया। खाद्यानों के ब्लैक को रोकने के लिए तथा प्रजा से क्रूरतापूर्वक टैक्स वसूली के लिए अंग्रेजों ने एक विशाल विभाग ही बना रखा था जिसको कस्टम विभाग कहा जाता था। इसको लेकर उन्होंने मुल्तान से तोरबेला, सतलुज क्षेत्र, फाजिल्का, हिसार, महम, कलानौर, बेरी, झज्जर बादली, हथीन, मथुरा, आगरा होते हुए एक मार्ग ही स्थापित कर दिया था। उसी मार्ग को कस्टम लाइन कहा जाता था ताकि लोग कोई भी कर योग्य जीन्स इधर-से-उधर न ले जा सके। क्योंकि भारी टैक्स से बचने के लिए लोग अपने सिर पर व पशुओं पर लाद कर ब्लैक भी करने लग गए थे। फिर अंग्रेजों ने क्रूरता का शिकंजा कसते हुए पैदल समान ले जाने वाले व्यक्तियों को भी बन्दी बनाना आरम्भ कर दिया। यही नहीं, कस्टम लाइन को मथुरा, आगरा से भी बढ़ाकर झांसी, सागर, खण्डवा

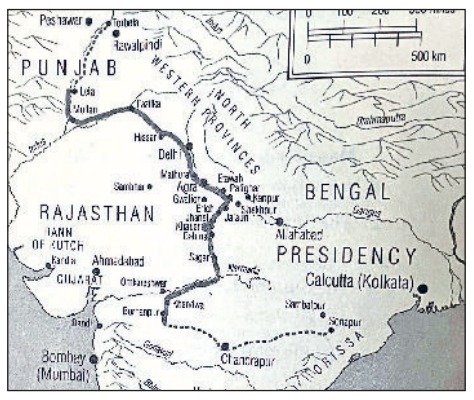

कस्टम मार्ग मुल्तान से बुरहान तक का चित्र, जिसके दोनों तरफ अंग्रेजों ने नागफन के पौधे रोप डाले थे।

अंग्रेजों द्वारा स्थापित कस्टम लाइन पर बनी चौकी के अवशेष।

तक पहुंचा दिया। ब्लैक पर नियन्त्रण के लिए प्रत्येक मील की दूरी पर चौकी निर्मित करके चौकीदार नियुक्त कर दिए। कुछ मील की दूरी पर बीट स्थापित कर दी गई। जैसे हरियाणा के क्षेत्र में हिसार के बाद महम, कलानौर, बेरी, बादली व चन्दू बीट आदि इस प्रकार के चार चैबन्द प्रबन्ध विभाग में तब वर्ष 1854 में 6600 व्यक्तियों का स्टाफ था।

अंग्रेजों का विशेष अंकुश नमक के ब्लैक पर रहता था। क्योंकि यहां सिलान, जहीदपुर, सुल्तानपुर, साढराणा व मेवात के सलम्भा आदि में नमक बनाया जाता था। इसके अतिरिक्त राजस्थान के जैपुर, जौधपुर व बिकानेर राज्यों के आंशिक क्षेत्रों में भी नमक निकाला जाता था। अंग्रेजों ने विशेषकर नमक के ब्लैक को रोकने के लिए बनाए गए कस्टम मार्ग के दोनों तरफ नागफन के पौधे रोप डाले थे। उस कांटेदार मार्ग एवं बाड़ को ही ग्रेट हैज ऑफ इंडिया कहा गया है जिसकी लम्बाई 2504 मील थी। वर्ष 1823 से विभिन्न कस्टम कमिश्न, जॉर्ज सान्डर्स, समिथ, बैटन, हाल्से व ए.वो. हयुम आदि को नियुक्त किया गया था। बता दें कि ए.वो. हयुम ने 1885 में भारतीय कांग्रेस पार्टी बनाई थी। वह कस्टम कमिश्नर वर्ष 1867 से 1870 तक रहे तथा उस अवधि में उन्होंने राजपुताना शासकों से नमक टैक्स बारे एक समझौता भी किया था। अन्ततः उस शोषणयुक्त मार्ग व कंटीली बाड़ तथा विभाग को वर्ष 1879 से अंग्रेजों ने स्वतः ही बन्द कर दिया।

उस ऐतिहासिक मार्ग पर अंग्रेजों ने बंगले भी बना डाले थे जिनके अवशेष महम, बेरी व बादली में देखे गए। इस प्रकार चीन की दीवार की तरह उस कांटेदार मार्ग की लम्बाई अद्वितिय होने के कारण एक अंग्रेज राय मोक्सहम ने इस बारे रोचक पुस्तक ही लिख डाली है, जिससे सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।

सांस्कृतिक क्षेत्र में कला का अहम योगदान : चेतना सारसर

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणा की समृद्ध संस्कृति के संवर्धन के लिए समाज को सजग करने की दिशा में साहित्यकारों, लेखकों, लोक कलाकारों और गीतकारों जैसी शख्सियतों ने जिस रूप में अपना अहम योगदान दिया है, उससे हरियाणा की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी है। इसी कड़ी में ग्रामीण परिवेश से निकलकर फिल्म जगत में एक अभिनेत्री के रूप में पहचान बनाकर हरियाणा की बेटी चेतना सारसर अपनी अभिनय कला के जुनून को अंजाम दे रही है। वह केवल एक अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि कविताएं और कहानियां तथा फिल्मों की पटकथा लिखकर समाज को सकारात्मक संदेश भी दे रही हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में प्रतिभाशाली अभिनेत्री चेतना सारसर ने कुछ ऐसे पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें कला का सकारात्मक पक्ष सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में अपना अहम योगदान दे सकता है और इसी सोच, लगन और मेहनत के बल पर हर इंसान के लिए अपने लक्ष्य को हासिल करना भी संभव है।

हरियाणा की प्रतिभाशाली अभिनेत्री चेतना सारसर का जन्म 25 अक्टूबर 1999 को झज्जर जिले के तलाव गांव में रोहतास और सुमन लता के घर में हुआ। ग्रामीण परिवेश में लड़कियों के लिए परिवारिक माहौल अलग ही होता है, इनके पिता दुकानदार हैं, जो सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। परिवार में आर्थिक तंगी के कारण चेतना के माता-पिता खुद ज्यादा

पढ़ाई नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने अपनी बेटी चेतना को पढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किया। चेतना की प्रारंभिक शिक्षा झज्जर के एक सरकारी स्कूल में हुई। उन्होंने छठी कक्षा से ही खेलों खासकर ताइक्वांडो में रुचि लेना शुरू किया और बाद में वह राष्ट्रीय स्तर की ताइक्वांडो खिलाड़ी बनकर उभरी। उस समय वह अपने करियर में पुलिस अधिकारी या कोच बनने का सपना देखती थी।

उन्होंने झज्जर के ही सरकारी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की। बकौल चेतना, सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों यानी अंधविश्वास व कुरीतियों के खिलाफ सामाजिक चेतना जगाने के लिए कुछ कलाकार गांव में आकर नुक्कड़ नाटक करते थे, तो उनकी एक्टिंग को देखकर उसने भी अभिनय के क्षेत्र में जाने का सपना संजोया। गांव में नाटक मंडलियों के कार्यक्रमों से उनकी अभिनय जैसी कला के प्रति अभिरुचि इतनी गहराती गई कि उसने एक अभिनेत्री बनने का लक्ष्य तय करके जो सपना देखा था, वह आज अभिभूत होता दिख रहा है और वह एक अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाती जा रही है।

हालांकि उनके परिवार या सगे संबंधियों में दूर तक भी कोई कला या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। चेतना ने स्नातक की शिक्षा के बाद जब एक्टिंग का कोर्स करने के लिए एक्टिंग इंस्टीट्यूट में दाखिला लेने की इच्छा जताई, तो उनके माता-पिता ने उसका हौसला बढ़ाया। परिवार से मिले प्रोत्साहन के बाद उसने साल 2017 में रोहतक स्थित पंडित लखमी चंद सुपवा में प्रवेश ले लिया। उसे स्कूली समय से ही टीवी सीरियल्स देखना बहुत पसंद रहा और जब भी वह कोई अच्छा सीन देखतीं, तो बाद में आईने के सामने खड़े होकर उसी किरदार निभाने की कोशिश करती रही।

सुपवा में उनके अभिनय करियर की शुरुआत हुई। हालांकि उनका कहना है कि उसने एक्टिंग कोर्स के लिए सुपवा में प्रवेश लिया था, लेकिन कुछ कारणों से उन्हें कोर्स बदलकर एडिटिंग में प्रवेश लेना पड़ा। लेकिन उन्होंने मन में ठान लिया था कि वह अभिनय की कला को कतई नहीं छोड़ेंगी। खास बात ये भी है कि चेतना स्टूडेंट प्रोजेक्ट्स में लगातार अभिनय करती रहीं, जिससे उन्हें इंडस्ट्री में बाहरी प्रोजेक्ट्स में भी काम करने के मौके मिलने लगे। चेतना का कहना है कि वह अब पूरी तरह अपने अभिनय करियर पर फोकस कर रही है

यहां से मिली मंजिल

अभिनेत्री चेतना सारसर ने सुपवा में प्रवेश के दौरान ही फिल्म स्कूल के स्टूडेंट प्रोजेक्ट्स, शॉर्ट फिल्मों और गानों में काम करना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे उसने अपने अभिनय कौशल को निखारा। उसे हरियाणा के चर्चित मिर्चपुर कांड पर आधारित राजेश अमरलाल बब्बर निर्देशित वेब सीरीज 'कांड 2010' में अभिनय करने का मौका मिला, जिसमें उसने दलित युवती रीता का किरदार निभाया। यहीं से चेतना को एक अभिनेत्री के रूप में ऐसी पहचान मिली कि पिछले दिनों मुंबई में आयोजित 5वें बॉलीवुड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अभिनेता मनोज जोशी और सीमा पाहवा के हाथों बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। चेतना ने मेवात वेब सीरीज के कई एपिसोड में अभिनय करके अपनी कला का लोहा मनवाया है। उन्होंने वेबसीरीज अखाडा, क्राइम पेट्रोल में भी प्रमुख किरदार निभाया है।

खबर संक्षेप

नारनौल। प्रभातफेरी निकालते श्रद्धालु।

रामनवमी पर्व पर निकाली प्रभातफेरी

नारनौल। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर राधा कृष्ण प्रभातफेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 116वीं प्रभात फेरी का आयोजन मां चामुंडा देवी मंदिर से किया गया। यह धार्मिक यात्रा प्रातः मां चामुंडा देवी, श्रीरामचन्द्र व ठाकुरजी की अगुवाई में आरंभ हुई और नगर के प्रमुख मार्गों आजाद चौक, फूलों वाली गली, गांधी प्याऊ व प्रेस गली से होती हुई पुनः मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई।

132वीं प्रभातफेरी का आयोजन

नारनौल। प्रभातफेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 132वीं प्रभातफेरी का आयोजन आर्य चौक सलामपुरा से किया गया। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव श्रीराम नवमी की प्रभात की बेला में यजमान रामसिंह सैनी ने परिवार सहित अपने निवास पर ठाकुर जी की पूजा आरती करके सभी को चंदन तिलक लगाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष व बच्चों ने ढोल नगाड़ों के थाप पर राधा नाम का स्मरण किया।

ढैंचा उगाएं, जमीन की सेहत सुधारें: डॉ मनमीत

मंडी अटेली। कृषि एवं किसान कल्याण विभागद्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत फसल विविधिकरण व जमीनों की सेहत सुधारने हेतु किसानों को 80 प्रतिशत अनुदान पर ढैंचा का बीज उपलब्ध करवा रहा है। उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ. मनमीत यादव ने बताया कि उपरोक्त योजना के तहत इस वर्ष जिला महेन्द्रगढ़ में सात हजार एकड़ में ढैंचा बिजाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एक एकड़ जमीन में 12 किलो बीज बोया जाता है।

नागरिक अस्पताल में मरीजों को फल बांटे

नारनौल। मानव उत्थान सेवा समिति शाखा के तत्वावधान में रविवार को माता जी की जयंती व रामनवमी के उपलक्ष्य में नागरिक अस्पताल में मरीज को फल वितरित किए गए। इस अवसर पर महात्मा संजीवनी बाई जी ने गरीब महिलाओं को साड़ी भेंट की। इस अवसर पर कृष्णा देवी बावड़ीपुरा ने अपने घर पर सत्संग कार्यक्रम करवाया। इस अवसर पर महात्मा संजीवनी बाई ने बताया कि माता राजराजेश्वरी देवी, जिसे जगजननी के नाम से भी जानते हैं।

ताऊ देवीलाल की पुण्यतिथि मनाई

मंडी अटेली। गांव सागरपुर में पूर्व उपप्रधानमंत्री स्व. ताऊ देवीलाल की 24वीं पुण्यतिथि रविवार को इनेलो के वरिष्ठ नेता चौधरी भरपूर ने गांव के बच्चों के साथ उनके चित्र के सामने पुष्प अर्पित कर मनाई। इस मौके पर चौधरी भरपूर ने बताया कि हरियाणा के निर्माता रहे स्वर्गीय चौधरी देवीलाल सिर्फ स्वतंत्रता सेनानी, किसानों, गरीबों, मजदूरों और कमेरे वर्ग के मसीहा ही नहीं थे, बल्कि एक युगपुरुष थे। चौधरी देवीलाल वास्तव में त्याग की मूर्ति थे जिन्होंने स्वार्थ की भावना से ऊपर उठकर अपना जीवन सादगी से जीया। वह सबके चहेते थे और उनके लिए राजनीति समाज सेवा का माध्यम थी।

बागोत में मनाई चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि

कनीना। जेजेपी के अटेली युवा हलका प्रधान महिपाल नम्बरदार के नेतृत्व मे बागोत में पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि मनाई गई। जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। महिपाल नम्बरदार ने कहा कि जेजेपी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता उनके दिखाए आदर्शों पर चलते हुए आगे बढ़ रहा हैं। उन्होंने कहा कि जननायक जनता पार्टी के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व में पार्टी आगे बढ़ रही है। इस मौके पर जिला पार्षद अजीत तंवर, शिबू खेड़ी आदि मौजूद थे।

मेले में लाखों की संख्या में भक्तजनों ने लिया हिस्सा

महासर माता मंदिर में नौ दिनों तक चला मेला नवमी पर सपन्न

माता के मंदिर में नौ दिनों तक चला शतचंडी यज्ञ भी हुआ पूर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

मंडी अटेली। गढ़ी-महासर स्थित महासर माता मंदिर में प्रसाद ग्रहण करते भक्तगण। फोटो: हरिभूमि

क्षेत्र के गांव गढ़ी-महासर स्थित महासर माता के चैत्र नवरात्रों पर शुरू होकर नवमी के मौके पर रविवार को संपन्न हो गया। मेले में लाखों की संख्या में भक्तजनों ने हिस्सा लिया। माता के मंदिर में नौ दिनों तक चला शतचंडी यज्ञ भी पूर्ण हो गया। यज्ञ में मुख्य यजमान रामकुमार लांबा व मनबीर, दीपक लांबा, गीतांश, हितार्थ रहे।

पुरोहित संजय शास्त्री ने विधिवत रूप से यज्ञ संपन्न करवाया। शतचंडी क्षेत्र में शांति व सौहार्द स्थापित करवाने के लिए नवरात्रों के प्रारंभ से पाठ पूजन हुआ। लांबा परिवार पिछले 36 वर्षों से अपनी धर्मशाला में शतचंडी का पाठ शरद व चैत्र नवरात्रों में होने के साथ यज्ञ हो रहा है। शतचंडी हवन का पाठ ललित शर्मा ने 9 पंडितों के साथ पाठ करवाया। शतचंडी में लालचंद, रतनलाल, कैलाश आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया। शत चंडी की पूर्णाहुति के बाद लांबा परिवार ने मंदिर में नवरात्रों के समापन पर रविवार को हवन व भंडारा हुआ। कन्याओं को भोजन करा कर उनका पूजन हुआ। वहीं लक्ष्मण दल नारनौल की ओर से माता के स्थान पर जागरण व उनकी धर्मशाला में भंडारा हुआ है। लक्ष्मण दल के दल सक्रिय सदस्य व माता के भक्त राकेश अग्रवाल ने बताया कि पिछले 50 सालों से उनका परिवार माता के स्थान पर भक्तों के लिए धर्मशाला में भंडारा यात्रियों के ठहरने के लिए उचित व्यवस्था की हुई है। हर नवरात्रों में यह मेले में यात्रियों व माता भक्तों के लिए सेवा व जन सुविधाएं प्रदान की जाती है। संतोष चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीधर गुप्ता ने बताया कि महासर माता के स्थान पर साढ़े पांच हजार वर्ष पहले लक्ष्य गृह में पांडवों को जलाने पर विदुर नीति से पांडव बाहर निकले थे तथा श्री कृष्ण के कहने पर जीवन में सफलता व अच्छे जीवन व्यतीत के लिए 51 शिव की पीठ है तथा 51 ही सिद्ध देवी की पीठ का दर्शन करने पर आपको लाभ व सुख मिलता है। महासर माता के स्थान पर 72 कमरों की अत्याधुनिक धर्मशाला बनाई हुई है तथा यहां आने वाले भक्तों के लिए भंडारा होता है। माता के मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है, अब महासर माता पर पिक्चर तैयार की जा रही है जो संभवत अगले नवरात्रों तक मार्केट में आने की उम्मीद है। पुजारी परिवार से प्रवीण शास्त्री ने बताया कि महासर माता की भक्ति करने वाले श्रद्धालुओं की सभी मनोकामना पूर्ण होती है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

वार्षिक उत्सव एवं रजत जयंती समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव भोजावास स्थित मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में विद्यालय के 25 वर्ष पूर्ण होने पर वार्षिक उत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के द्वारा अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान सांसद ने मॉडर्न किड्स प्ले स्कूल का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्यालय से 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्राचार्य अनिल कुमार ने बताया कि हमारे विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ अनेक गतिविधियां जैसे खेलकूद व्यायाम व बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों एवं जिन अध्यापकों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई उन सभी का तहदिल से धन्यवाद किया। कार्यक्रम के समापन पर संस्था के अध्यक्ष अमरजीत यादव ने सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर भूमिका कॉलेज के संस्थापक अजय सिगड़िया, शिक्षा भारती स्कूल के संचालक योगेश शास्त्री, एसडी स्कूल ककराला के संचालक जगदेव आदि मौजूद थे।

आरपीएस ने राज्यस्तर पर पाया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। छात्रा ख्याति अपने परिजनों के साथ। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय विज्ञान निबंध लेखन में आरपीएस विद्यालय की छात्रा ख्याति पुत्री दिनेश चहल ने तीसरा स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय व जिले का नाम प्रदेश में रोशन किया है। छात्र की इस उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप के चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने छात्र को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आरपीएस ग्रुप के विद्यार्थी आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। यह सब अभिभावकों के विश्वास और शिक्षकों व बच्चों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हर बच्चा प्रतिभाशाली होता है, अगर उसे समय पर उचित मंच मिले तो निश्चित रूप से वह बच्चा अपने लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग पर बिना किसी बाधा के अग्रसर होगा। सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि आरपीएस विद्यालय में बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ उनकी रुचि के अनुसार आगे बढ़ाने के बेहतर अवसर प्रदान किए जाते हैं। यही कारण है कि आज आरपीएस की प्रतिभाएं शिक्षा, खेल, आईआईटी, नीट, एनडीए, क्लेट सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में अव्वल भूमिका में नजर आ रहे हैं।

डिप्टी सीईओ कुणाल राव ने कहा कि अभिभावक बच्चों की रुचि पहचान कर उनकी प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। उन्होंने बच्चों को भी लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षकों के मार्गदर्शन में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

गरीब के सच्चे मसीहा थे चौधरी देवीलाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। निजामपुर चौक पर चौधरी देवीलाल को श्रद्धासुमन अर्पित करते जजपा कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

किसान-मजदूर समेत कमेरे वर्ग के उत्थान के लिए चौधरी देवीलाल द्वारा किए गए कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। वह किसानों एवं गरीब तबके के सच्चे मसीहा थे। यह उद्गार जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमर सिंह ब्रह्मचारी ने निजामपुर चौक पर चौधरी देवीलाल की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर अनेक जजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। अमर सिंह ब्रह्मचारी ने कहा कि किसानों और आम जनता के अधिकारों के लिए हमेशा संघर्ष किया और वह देश के उपप्रधानमंत्री जैसे शीर्ष पद तक पहुंचे। अब जेजेपी उनकी नीतियों को आगे बढ़ा रही है। उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणा स्त्रोत बना रहेगा। चौधरी देवीलाल ही वह शख्सियत हैं, जिन्होंने देश में सबसे पहले बुढ़ापा पेंशन चालू करके बुजुर्गों का मान-सम्मान बढ़ाया था। हरियाणा में स्थापना में भी उनका बड़ा योगदान रहा। आज हम सबको मिलकर उनकी नीतियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए।

इसी कड़ी में महेंद्रगढ़ में चौधरी देवीलाल पार्क में उनकी प्रतिमा पर जजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्पाजंलि अर्पित की तथा उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। इस मौके पर राजकुमार खातोद, सिकंदर गहली, आदि मौजूद रहे।

मंडी अटेली। सिहमा में भाजपा का 46वां स्थापना दिवस मनाते हुए। फोटो: हरिभूमि

सिहमा में भाजपा का 46वां स्थापना दिवस मनाया

मंडी अटेली। खंड सिहमा में रविवार को हुडीना मंडल के अध्यक्ष मनोज यादव के नेतृत्व में भाजपा का 46वां स्थापना दिवस मनाया बड़ी धूमधाम के साथ मनाया। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी देखी गई। हुडीना मंडल के अध्यक्ष मनोज यादव ने पार्टी के इतिहास को बताते हुए कहा कि भाजपा का स्थापना दिवस भारतीय राजनीति में पार्टी की बढ़ती ताकत और सफलता की कहानी को दर्शाता है। पार्टी ने अपने सफर में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन आज या देश की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकतों में से एक बन चुकी है। उन्होंने कहा 6 अप्रैल 1980 को हुई पार्टी की स्थापना के बाद से भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। सन 1996 में भाजपा ने 161 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर केंद्र में सरकार बनाई।

मनुष्य को अपनी नेक कमाई में से कुछ पैसा धर्म पुण्य में अवश्य लगाना चाहिए: सांसद

- राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मां सरस्वती की मूर्ति का हुआ उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मां सरस्वती की मूर्ति का उद्घाटन करते सांसद एवं अन्य।

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में डॉ. अजय प्रकाश मेहता व शिवरतन मेहता ने अपने पिता स्वर्गीय लाला बिशन दयाल महता एवं माता स्वर्गीय तारा देवी की पुण्य स्मृति पर मां सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की। इस मूर्ति का उद्घाटन सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने किया। जबकि विधायक कंवर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि बधाई के पात्र हैं डॉ. अजय प्रकाश मेहता व शिवरतन मेहता, जिन्होंने शिक्षा के प्रांगण में अपने माता- पिता की पुण्य स्मृति में मां सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपनी नेक कमाई में से कुछ पैसा धर्म, दान पुण्य, विवाह शादी, पुण्यतिथि एवं अन्य अवसरों पर लगाना चाहिए। उनके द्वारा पुण्य के कार्य में लगाया गया पैसा व्यर्थ नहीं जाता, अपितु भगवान उन्हें दोगुना करके देते हैं।

इनेलो कार्यकर्ताओ ने किया स्व. चौधरी देवीलाल को नमन

नारनौल। इंडियन नैशनल लोकदल ने कार्यकर्ताओं ने पूर्व उप प्रधानमंत्री जननायक स्व. चौधरी देवीलाल को महेंद्रगढ़ में चौधरी देवीलाल पार्क व निजामपुर चौक पर महानविभूति को 24वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांपूर्वक नमन किया। इस अवसर पर सभी ने एक स्वर में कहा कि चौधरी देवीलाल की ओर से किए गए जनहित के कार्य सदैव याद रखे जाएंगे। वे हमेशा जनमानस को विशेष स्वर देने के लिए, बुजर्गों को बुढ़ापा पेंशन के जरिये मान सम्मान देने, किसानो के कर्ज माफी, विधवा पेंशन, ट्रैक्टर को कर मुक्त, बेरोजगारी भत्ता लागू करवाने, विद्यार्थी को बस पास सुविधा देने, छोटे व्यापारियों के भलाई के लिए, गांव गांव में चौपाल बनाने, हरियाणा की आवाज को संसद में बुलंद करने, देश में न्याय स्थापित करने, कमेरे वर्ग को एक साथ लाने व 36 बिरादरी के नेता के रूप में हमेशा याद रखे जाएंगे। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बल्ली शेखावत, जिला प्रवक्ता नवनीत ढिल्लो, युवा जिला अध्यक्ष दीपक आदि मौजूद थे।

शक्ति स्पोर्ट्स एकेडमी में हुई खेल स्पर्धाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। खिलाड़ियों को ट्रॉफी देते जिला प्रमुख राकेश कुमार व अभिनेत्री पम्मी मोटन।

जिस तरह से पढ़ लिखकर युवा अपना करियर बनाते हैं। अब उसी तरह से खेल भी करियर बनाया जा सकता है। खेलों में भी अब अच्छा पैसा, नौकरी व सम्मान है। इसलिए अधिक से अधिक युवाओं को खेलों में हिस्सा लेना चाहिए। उक्त विचार बॉलीवुड अभिनेत्री व खेल प्रमोटर पम्मी मोटन ने शनिवार रात्रि शक्ति स्पोर्ट्स एकेडमी में आयोजित खेल प्रतियोगिता में आए खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और सही मार्गदर्शन से खेल प्रतिभा में निखार आता है। इसलिए नशे और बुराइयों से दूर रहते हुए लगातार अभ्यास करें।

आप अवश्य सफल होंगे। समाजसेवी बिरदीचंद गोठवाल ने प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते हुए कहा कि जिले के युवा जिस तरह शिक्षा में नाम रोशन कर रहे हैं, अगर उचित खेल सुविधाएं मिलें तो यहां के युवा खेलों में भी किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि लक्ष्य तय करके अभ्यास करें, सफलता अवश्य मिलेगी।

श्रीगोपाल गोशाला में लगाई गोवंश के लिए सवामणि

नारनौल। श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में श्रीरामनवमी के अवसर पर आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्री गोपाल गोशाला में गोवंश के लिए सवमणी लगाई गई। सर्वप्रथम आचार्य मनीष शास्त्री ने सवामणी के यजमान हनुमान प्रसाद अग्रवाल, सुरेश चौधरी, मोहित चौधरी, गीतांजलि चौधरी, विपिन अग्रवाल, हिमानी अग्रवाल व संस्थान के सभी सदस्यों से श्री गणेश जी, नवग्रह सहित सभी देवी देवताओं का विधि विधान से गो पूजन करवाया। गोमाता की आरती कर सवामणी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोवंश के लिए हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल, नमक आदि मिलाकर सवामणी तैयार की। राकेश बंसल ने बताया कि हिंदू धर्म में गाय को मां के समान माना गया है।

जन्म और मृत्यु सब मनुष्य के कर्मों के अधीन है: वचनाई नाथ महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। श्रद्धांजलि सभा में भाग लेते शहर के लोग। फोटो: हरिभूमि

शहर के मोहल्ला नाईयों की गुवाड़ी में हल्का सैन समाज शहर प्रधान सुन्दर लाल आसोदिया के आवास पर पहुंचकर उनके बड़े भाई राधेश्याम आसोदिया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर जिला पार्षद वचनाई नाथ महाराज ने श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि जन्म और मृत्यु सब मनुष्यों के कर्मों के अधीन है। हमारे शास्त्रों में लिखा है कि हम जो कर्म करते हैं उन्हीं के अनुसार परमपिता परमात्मा ने हमारे जन्म और मृत्यु की व्यवस्था बनाई है। स्वर्गीय राधेश्याम आसोदिया बहुत ही धार्मिक व उच्च विचारों के धनी थे। उन्होंने पूरा जीवन मानव भलाई व मनुष्य के उत्थान के लिए लगाया उनके जाने से जो स्थान समाज में रिक्त हुआ है उसको कभी नहीं भरा जा सकता। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में कृष्णा स्कूल के चेयरमैन वीर सिंह यादव, रामनिवास पाटोदाद्व डॉ. अभय सिंह यादव प्रधान यादव सभा, प्रदीप लावन, मदन सिंह शेखावत एडवोकेट, प्रोफेसर बस्तीराम खैरवाल आदि श्रद्धांजलि अर्पित की।

नारनौल। यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते क्लब सदस्य। फोटो: हरिभूमि

मोहल्ला खड़खड़ी में माता की चौकी आयोजित

नारनौल। चैत्र नवरात्रों के उपलक्ष्य में दुर्गा अष्टमी पर टाईगर क्लब परिवार के तत्वावधान में शनिवार रात्रि माता रानी की चौकी सचिन बंसल के निवास स्थान कल्लूमल बगीची के समीप मोहल्ला खड़खड़ी में सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता टाईगर क्लब परिवार के प्रधान राकेश यादव ने की। मुख्य यजमान सचिन बंसल व उनकी धर्मपत्नी रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. शिवकुमार, ललित सैनी, संजय सैनी, नरेंद्र बंशी ने बताया कि माता की चौकी में सर्वप्रथम कार्यक्रम पुरोहित पंडित नारायण शास्त्री ने विधिवत पूजन किया। गणेश वंदना नरेंद्र बंशी व माता का आह्वान नवीन वशिष्ठ ने किया। संतोष सैनी ने मैया तेरे दरबार की महिमा निराली है, बबलू शर्मा ने आ मां आ तुझे दिल ने पुकारा, दीपक वालिया ने तूने मुझे बुलाया शेरा वालिये, परमानंद वर्मा ने मां वैष्णो का चोला है रंगला, मोहन सागर ने बिगड़ी मेरी बना दे, नवीन वशिष्ठ ने लूट रहा लूट रहा मैया का खजाना लूट रहा रे, नरेंद्र बंसी ने सज धज कर बैठी मां आदि भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तजनों को भाव विभोर कर दिया।

अपील सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन की संख्या धीमी गति से चल रही

विशेष कैम्प लगाकर सरकारी विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने में सहयोग करें सरकार: जयसिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्राथमिक शिक्षक जयसिंह नारनौलिया ने कहा कि नए सत्र की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन हमेशा की तरह इस बार भी निजी विद्यालयों की बजाय सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन की संख्या धीमी गति से चल रही हैं। अधिकांशतः ग्रामीण परिवेश के प्राथमिक सरकारी विद्यालयों में फ्रेश बच्चों का दाखिला न होने का प्रमुख कारण अभिभावकों की अज्ञानता या मजदूरी कार्य के कारण समय के अभाव के चलते उनके दस्तावेज में कमियां होना पाया जाता है। अधिकांश परिवारों में पांच वर्ष के बच्चें का आधार अपडेट नहीं करवाया जाता है, यदि करवा भी लिया जाता है तो फिर उसको फैमिली आईडी में अपडेट नहीं करवाया जाता है। जिसके चलते उनका एमआईएस पर ऑनलाइन दाखिला नहीं हो पाता।

प्रॉपर फैमिली आईडी न होने के कारण बाहरी राज्यों के मजदूर परिवारों के बच्चों का दाखिला भी आसानी से नहीं हो पाता है। ये सब प्रक्रिया सरकारी अध्यापक के लिए किसी जी के जंजाल से कम नही है।

उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में दाखिले के लिए बालवाटिका तीन में पांच वर्ष के बच्चे तथा पहली में छह वर्ष के बच्चे की आयु सीमा का होना भी नामांकन की गति को कम करने का प्रमुख कारक है। निजी विद्यालयों की ओर से तीन वर्ष के ही बच्चों को लोभ लालच देकर ले जाने के कारण सरकारी विद्यालय का प्राथमिक शिक्षक खुद को लुटा सा महसूस करता हैं। सभी प्राथमिक अध्यापक सरकार से अपील करते है कि प्रत्येक गांव में पूरे अप्रैल माह के लिए निःशुल्क आधार व फैमिली आईडी अपडेट करने की व्यवस्था की जाए। जिससे सरकारी विद्यालयों में नामांकन को बढ़ाया जा सकें। वरना वह दिन दूर नहीं जब इन प्राथमिक विद्यालयों की सिर्फ इमारतें शेष रहेंगी। जिनका भविष्य में इतिहास के पन्नों में ही जिक्र किया जाएगा।

प्राथमिक विद्यालयों के बाद माध्यमिक विद्यालयों, उच्च विद्यालयों व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों का भी समय दर समय इसी तरह नुकसान होता चला जाएगा।

खबर संक्षेप

अवैध देसी कट्टे के साथ आरोपित गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। सीआईए महेंद्रगढ़ की पुलिस टीम ने थाना सतनाली क्षेत्र से अवैध हथियार रखने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपित की पहचान गांव श्यामपुरा निवासी कपिल के रूप में हुई है। आरोपित से पुलिस ने एक अवैध देसी कट्टा बरामद किया है। आरोपित के खिलाफ थाना सतनाली में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। सीआईए महेंद्रगढ़ की पुलिस टीम गस्त के दौरान बस अड्डा जड़वा पर मौजूद थी, टीम को गुप्त सूचना मिली कि कपिल अवैध हथियार लिए हुए मोटर साईकल पर पावर हाऊस के साथ मे किसी के इंतजार मे खडा है, अगर तुरंत रैड कि जाए तो अवैध हथियार सहित काबू आ सकता है। सूचना पर टीम ने बताए हुए स्थान पर रेड की। जहां पर एक लड़का मोटर साईकल के साथ खडा दिखाई दिया, जिसको काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम बताया।

नेत्र जांच शिविर में 200 नागरिकों ने उठाया लाभ

कनीना। रामनवमी के पर्व पर रविवार को वार्ड 11 में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। डा. रविंद्र कौशिक ने बताया कि शिविर में रेवाड़ी के निजी अस्पताल की चिकित्सक प्रीति यादव की टीम ने करीब 200 नागरिकों के नेत्रों की जांच कर दवा व चश्में वितरित किए। आंखों की उचित देखभाल के लिए परामर्श भी दिया गया।

मां चामुंडा देवी मंदिर में मेले का आयोजन

नारनौल। नवमी के पावन पर्व पर मां चामुंडा देवी मंदिर में मेले का भव्य आयोजन किया गया। भक्तों की आस्था और श्रद्धा का ऐसा जनसैलाब उमड़ा की मंदिर प्रांगण माता रानी के जयकारों से गूंज उठा। सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था और दोपहर होते होते मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तों से भर गया। मां चामुंडा देवी के दर्शन हेतु दूरदराज से हजारों श्रद्धालु पहुंचे और माता रानी की जय जयकार करते हुए श्रद्धा भाव से दर्शन किए।

गाड़ी ने बाइक को मारी टक्कर, मौत

मंडी अटेली। नेशनल हाईवे 11 नारनौल रेवाड़ी रोड पर खोड़ पुल के समीप शनिवार सायं एक बाइक चालक को गाड़ी चालक ने सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को उपचार के लिए नारनौल के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर डॉक्टरों ने जांच करने के बाद बाइक चालक को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार फैजाबाद निवासीसुनील कुमार ने बताया कि वह शनिवार को लगभग पांच बजे अपने निजी काम करके रेवाड़ी से नारनौल की तरफ आ रहा था। जब वह खोड़ पुल के समीप पहुंचा तो उसके आगे-आगे एक बाइक चालक चल रहा था। उसी समय गलत साइड से सामने से गाड़ी बड़ी तेज रफ्तार, गफलत व लापरवाही से चलाता हुए बाईक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाईक चालक नीचे गिर गया। जिसको उसको गम्भीर चोटें आई।

2300 में से 50 प्रतिशत स्ट्रीट लगाने का कार्य हुआ पूरा, 800 स्ट्रीट लाइट की भेजी डिमांड

मार्च 2023 में नगर पालिका की ओर से जारी किया गया था 23 सौ स्ट्रीट लाइट का टेंडर, दो साल बाद शहर में लगी है लाइट

- शहर में छाया रहता है अंधेरा रात के समय बड़ी घटना होने का बना रहता है डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

मार्च 2023 में शहर का अंधेरा दूर करने के लिए खरीदी गई 23 सौ स्ट्रीट लाईट में से 50 प्रतिशत लाईट लगने का कार्य पूरा हो चुका है। वहीं शहर के अन्य स्थानों पर स्ट्रीट लगाने के लिए नगर पालिका की ओर से करीब 800 स्ट्रीट की डिमांड भेजी गई है।

बता दें कि 17 मार्च 2023 को शहर की नपा को प्रदेश सरकार द्वारा हायर की गई एजेंसी के माध्यम से 2300 स्ट्रीट लाइट मिली थी, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से इन लाइटों को लगाने के लिए कोई प्रक्रिया तक शुरू नहीं की गई। इसके कारण चार माह तक नपा के गोदाम में पड़ी धूल फांकती रही। गत वर्ष जुलाई को नगर आयुक्त कार्यालय नारनौल में हुई बैठक के दौरान नगर आयुक्त महाबीर प्रसाद ने नपा के अधिकारियों को जल्द लाइट लगाने के निर्देश दिए थे। 10 जुलाई से लाइट लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों ने ठेकेदार को आश्वासन दिया था कि जल्द ही स्ट्रीट लाइट लगाने का टेंडर जारी कर दिया जाएगा। ठेकेदार ने अधिकारियों से मिले आश्वासन के बाद स्ट्रीट लगाने का कार्य भी शुरू कर दिया था। लेकिन अधिकारियों की ओर से टेंडर प्रक्रिया शुरू नहीं करने के बाद ठेकेदार की ओर से स्ट्रीट लगाने का कार्य रोक दिया गया। दो माह पहले नगर पालिका की ओर से दोबारा से शहर में स्ट्रीट लगाने का टेंडर जारी किया गया था तथा अब ठेकेदार की ओर से करीब 50 प्रतिशत स्ट्रीट लगा दी गई है। नगरपालिका द्वारा पूरे शहर को रोशन करने के उद्देश्य से अब 800 लाइटों की डिमांड ओर भेज दी गई है। सबसे पहले स्ट्रीट लाइटें पुराने प्वाइंटों पर बदली व लगाई जा रही है। इसके बाद आवश्यकता के अनुसार नए प्वाइंट बनाकर उन्हें लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा। अलग-अलग वाट में आने वाली 800 लाइटें नए प्वाइंटों पर पोल के साथ लगाई जाएंगी।

- दो माह पहले नगर पालिका की ओर से दोबारा से शहर में स्ट्रीट लगाने का टेंडर जारी किया गया था तथा अब ठेकेदार की ओर से करीब 50 प्रतिशत स्ट्रीट लगा दी गई है

महेंद्रगढ़। नगर पालिका कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

शहर में छाया रहता है अंधेरा

शहर में कुल 15 वार्ड में कहीं स्ट्रीट लाइटें है जो कहीं खराब पड़ी है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में एक भी लाइटें नहीं है। इसके अलावा 11 हट्टा बाजार, ब्रह्मचारी रोड, गोशाला रोड, रेलवे रोड, मोदाश्रम मंदिर रोड, माजरा चुंगी रोड सहित अन्य जगहों पर रात के समय लाइटें जलती तो कहीं पर अंधेरा रहता है। स्ट्रीट लाइट काफी दिनों से बंद पड़ी है। जिससे रात के समय इस मार्ग पर आने वाले वाहन चालक व राहगीरों को परेशानियों को सामना पड़ रहा है। जिससे वाहन चालक व राहगीरों को दिक्कतों को सामना करना पड़ता है। रात में वाहन चालक व राहगीरों को इस रोड से गुजरने लोगों को कोई अप्रिय घटना होने का डर भी बना रहता है। जबकि इस ओर प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। 800 नई स्ट्रीट लाईट आने के बाद लगभग पूरे शहर का अंधेरा दूर हो जाएगा।

महाराजा शूर सैनी चौक समेत 5 स्थानों पर लगेंगी हाईमास्ट लाइटें

नगरपालिका हाउस सदस्यों के सुझाव के अनुसार शहर में पांच स्थानों पर हाई मास्क लाइटें लगाने जा रही है। इन लाइटों को लगाने के लिए नपा द्वारा जगह भी चिह्नित कर ली है, जिसके तहत शहर के महाराजा शूर सैनी चौक (कैंची टी प्वाइंट), महाराणा प्रताप चौक, खेल स्टेडियम, कॉलेज के खेल मैदान के पास तथा डुलाना रोड पर डाइट के पास इन लाइटों को लगाया जाएगा। इससे पहले भी शहर में पांच स्थानों भगवान परशुराम चौक, गोशाला धोलपोश आश्रम के पास, पुराने कॉलेज के पास, मोदाश्रम के पास तथा हुड्डा पार्क में हाई मास्क लाइटें लगाई गई थी।

शहर के हर कोने को रोशन करने की योजना : चेयरमैन

नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी का कहना है कि शहर के हर कोने को स्ट्रीट लाइटों से रोशन करने की योजना नगरपालिका द्वारा बनाई हुई है। पहले खरीदी हुई 2300 लाइटें लगाने का कार्य प्रगति पर है तथा 800 लाइटों की और डिमांड की जा चुकी है। इसके अलावा शहर में महाराजा शूर सैनी चौक व महाराणा प्रताप चौक सहित पांच स्थानों पर हाई मास्क लाइटें लगाने की योजना भी बन चुकी है।

प्राइवेट में व्यापारियों को सरसों बेचने पर मिल रहे 5700-6050 रुपये प्रति क्विंटल तक दाम

मंडियों में सरकारी रेट ही नहीं प्राइवेट में भी बेची जा रही सरसों

- 15 मार्च से मंडियों में सरकारी रेट पर खरीद चालू करने की घोषणा की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

एकतरफ जहां सरकार सरसों की सरकारी रेट पर खरीद कर रही है, वहीं किसान मंडी के व्यापारियों के पास जाकर प्राइवेट में भी सरसो बेच रहे हैं। यह हाल केवल एक नहीं, बल्कि जिले की सभी मंडियों का है। मंडी अटेली स मामले में टॉप पर चल रही है। बता दें कि प्रदेश सरकार ने इस बार रबी सीजन के तहत सरसों की खरीद पारंपरिक रूप से एक अप्रैल से शुरू करने की बजाए 15 मार्च से मंडियों में सरकारी रेट पर खरीद चालू करने की घोषणा की थी, लेकिन इलाके में सरसों के पकने, फिर लावणी करने एवं बाद में उसकी थ्रेसिंग करवाने में समय लगा, जिस कारण मंडियों में लगभग दस दिन बाद मंडियों में सरसों आनी शुरू हुई है। सरकार ने इस बार सरसों का सरकारी रेट 5950 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया हुआ है, जो किसानों के खाते में सीधे डाला जाता है, लेकिन मंडियों में चल रही सरसों खरीद के दौरान देखने में आया है कि किसान अकेले सरकारी एजेंसियों को सरसों बेचने की बजाए वह मंडी के व्यापारियों में भी रूचि दिखा रहे हैं तथा प्राइवेट में सरसों बेच रहे हैं।

नारनौल। मंडी में व्यापारी के यहां प्राइवेट में उतारी गई सरसों। फोटो : हरिभूमि

जिले की स्थिति

प्राइवेट सरसों बेचने के मामले में अटेली के किसान सबसे आगे हैं। अटेली मंडी में अब तक 24 हजार 316 क्विंटल सरसों प्राइवेट में बेची जा चुकी है। इसी प्रकार नारनौल में 2839 क्विंटल, कनीना में 1270 क्विंटल, नांगल चौधरी में 250 क्विंटल तथा महेंद्रगढ़-सतनाली में करीब 91 क्विंटल सरसों प्राइवेट में बिकी है, जिसका किसानों को 5700-6050 रुपये प्रति क्विंटल तक दाम मिला है।

तेल मिल वाले भी सक्रिय

इन दिनों केवल मंडी के आढ़तियों के पास ही किसान सरसों लेकर नहीं जा रहे, बल्कि वह प्राइवेट सौदागरों एवं तेल मिल वालों के पास भी पहुंच रहे हैं। प्राइवेट सौदागर हाथोंहाथ दाम देकर अपनी तरफ किसानों को खींच रहे हैं तो तेल मिल वाले अच्छी क्वालिटी के बेहतर दाम देकर किसानों को लुभा रहे हैं। तेल मिल वाले सरसों में तेल की मात्रा के अनुसार दाम लगाते हैं। उन्होंने अपने यहां तेल की जांच करने के लिए मशीनें लगा रखी हैं। तेल जांचने के लिए सरसों को फोड़ मशीन में डाला जाता है और तेल की मात्रा 41 से 43 प्रतिशत आने पर किसानों को सीधे 6 हजार प्रति क्विंटल की दामी दी जा रही है।

अच्छे दामों से मिल रहा बढ़ावा

मंडियों में किसानों को सरसों के अच्छे एवं नकद दाम मिलना माना जा रहा है। प्राइवेट में आजकल सरसों का दाम 5700 रुपये से 6050 रुपये तक प्रति क्विंटल की दर चल रहा है। जो किसान सरकारी पैसा आने का इंतजार करने की बजाए हाथोंहाथ हिसाब करके पैसा लेना चाहते हैं, ऐसे किसान ही प्राइवेट में जा रहे हैं। मतलब जरूरत इन्हें जरूरत वाला किसान कहा जा सकता है। इन दिनों में बच्चों के दाखिले, स्कूल ड्रेस, पुस्तक, स्टेशनरी, मकान बनाने एवं विवाह–शादी करने वाले किसान काफी मिल जाते हैं, जो अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राइवेट व्यापारियों के पास जा रहे हैं।

यह बोली सचिव

मार्केट कमेटी की सचिव नुकुल यादव ने बताया कि सरसों बेचने के लिए किसान स्वतंत्र हैं। वह चाहें तो सरकारी रेट पर या प्राइवेट में अपनी सरसों बेच सकते हैं। हमारा काम मंडी उपलब्ध करवाना है, जो करवाई जा रही है।

मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री कार्यालय में भाजपा का स्थापना दिवस मनाते हुए।

धूमधाम से मनाया भाजपा का स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रेवाड़ी के जिला प्रमुख मनोज कुमार रहे। आयोजन के संयोजक भाजपा अटेली मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार थे। मुख्य अतिथि मनोज कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। यह अनुशासन की पार्टी है। पार्टी जो निर्णय लेती है, कार्यकर्ता उसे पूरी निष्ठा से मानते हैं। इसी अनुशासन के कारण पार्टी आज इस मुकाम पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि पार्टी में एक छोटे कार्यकर्ता की भी बात सुनी जाती है। कई बार ऐसा होता है कि एक सामान्य कार्यकर्ता को पार्टी ऊंचे पद तक पहुंचा देती है। इसके उदाहरण मध्यप्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में देखने को मिले हैं। भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। इसी वजह से पार्टी आज शीर्ष पर है। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री के पीए विकास यादव, गोविंद गोस्वामी, कर्मवीर खींची, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा नरेंद्र सराय, मुकेश गणियार, मनजीत कुमार, नगर पालिका चेयरमैन संजय गोयल, पूर्व चेयरमैन विकास यादव, मूल सिंह चौहान, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार, हिमांशु गोयल और इंद्रजीत आदि मौजूद रहे।

अनिल कौशिक को मिला भरतमुनि सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

रेवाड़ी स्थित बाल भवन में विश्व रंगमंच दिवस पखवाड़े पर ओपन थियेटर में याहा हरियाणा के निदेशक अनिल कौशिक को भरतमुनि सम्मान से सम्मानित किया गया। तीन दिवसीय नाट्य उत्सव का बतौर मुख्य अतिथि आगाज करते हुए हरियाणा कला परिषद् के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक ने कलाकारों को सम्मानित करते हुए कहा कि नाट्य शास्त्र को भरत मुनि का आधारभूत ग्रंथ माना जाता है। भरत मुनि द्वारा रचित प्रथम नाटक देवासुर संग्राम था। जिसे देवों की विजय के बाद इंद्र की सभा में मंचित किया गया। शुक्रवार देर रात को नाटक सैंया भये कोतवाल का मंचन किया गया। नाटक के माध्यम से समाज कि लचर व्यवस्थाओं पर करारा व्यंग किया गया। बता दें कि रेवाड़ी की भरत मुनि कला केंद्र द्वारा विश्व रंगमंच पखवाड़े के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय नाट्य उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका की उपप्रधान मंजू कौशिक, रंगकर्मी प्रमोद तिवाड़ी, दिनेश मेहता, मदन डागर, डॉ. अंकुर खेर, सुधीर यादव व हिमानी खेर आदि उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़। नाट्य उत्सव का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ करते हुए मुख्यातिथि अनिल कौशिक। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा के साथ खेल युवाओं को विवेकशील बनाने में महत्वपूर्ण: सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के सचिव टिंकू प्रधान, अध्यक्ष बिरेन्द्र यादव की ओर से पीयूष सैनी को संस्था के जिला खेल अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। पीयूष सैनी राज्य स्तर पर क्रिकेट खेल में हिस्सा ले चुके है। पीयूष सैनी के बताया कि खेल हमारी शारीरिक व मानसिक स्थिति को सुधारने का अद्वितीय माध्यम है। हमारे दैनिक जीवन और दिनचर्या में भरपूर मात्रा में शारीरिक गतिविधि, खेलकूद शामिल होना चाहिए। युवाओं में गिरते स्वास्थ्य स्तर के लिए लोगों की बदलती जीवनशैली को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। आज के युवाओं ने किताबी कीड़ा बनकर स्वास्थ्य को निम्न स्तर पर पंहुचा दिया है। उन्होंने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य भी जीवन में उपयोगी है। खेलों से विवेकशील व्यक्तित्व व नेतृत्व का विकास होता है। युवाओं को अपने जीवन में समयबद्ध योजना बनाकर खेल व पढ़ाई के लिए समय व्यवस्थित करना चाहिए। खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार समय समय पर युवाओं को अनेक योजनाओं के माध्यम से कुशल बनाने के लिए पुरजोर प्रयाश करती रहती है। खेलों से न केवल निजी व्यक्तित्व का विकास होता है, बल्कि देश व प्रदेशों को भी विशेष पहचान मिलती है।

- खेल हमारी शारीरिक व मानसिक स्थिति को सुधारने का अद्वितीय : पीयूष

नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प ग्रुप ने किया कन्या की शादी में सहयोग

नारनौल। शहर की अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की मुहिम गरीब सुकन्या विवाह के अंतर्गत एक जरूरतमंद परिवार की बेटी का कन्यादान किया गया। इस अवसर पर आयोजित कन्यादान कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया ने की। मुख्य अतिथि विजय रहीश व विशेष आमंत्रित अतिथि सुनील संघी रहे। कार्यकम संयोजक संदीप जैन, प्रदीप कुमार एडीओ रहे। इस अवसर पर संस्था के सभी भाइयों ने अपना फर्ज निभाते हुए बहन की शादी अच्छे से हो सके, इसलिए उसको घरेलू सामान मिक्सी, बर्तन सेट, अटैची, ट्रे सेट, थर्मस, प्रेस, लहंगा चोली, बॉटल, सूट साड़ियां, हॉट केस, पंखा, डबल बेड़ की चद्दर, लेडीज पर्स, सीनरी, पेंट शर्ट, कप सेट, फैंसी फ्रॉक सूट, फैंसी स्लीपर व नकद 501 रुपये कन्यादान स्वरूप भेंट किए।

गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक नारनौल में हुआ एलुमिनी मीट आयोजित

एलुमिनी से ऑनलाइन या संस्था में आकर एक्सटेंशन लेक्चर देने की अपील की। स्टूडेंट फंड प्रेसिडेंट व ट्रेनिंग प्लेसमेंट ऑफिसर अनिल कुमार यादव प्रमुख शिक्षकों, अधिकारियों और एलुमनाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान पुराने छात्र-छात्राओं ने अपने करियर में हासिल की गई सफलता और संस्थान से मिले योगदान के बारे में बात की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में रविवार को एलुमिनी मीट का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था के प्रधानाचार्य अनिल यादव थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी अनिल कुमार यादव ने की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्थान में पढ़ रहे विद्यार्थियों और उसके पूर्व छात्रों के बीच संपर्क बनाए रखना, ताकि संस्था में पढ़ रहे विद्यार्थियों को संस्था के एलुमिनी से उनके अनुभव फायदा मिल सके। साथ ही उनके सहयोग से उनको ट्रेनिंग, प्लेसमेंट व एक्सटेंशन लेक्चर में भी सहायता मिल सके। कार्यक्रम में संस्थान के प्रधानाचार्य अनिल यादव ने सभी एलुमिनी से अनुरोध किया कि आप संस्था की एलुमिनी एसोसिएशन को रजिस्टर कराएं, ताकि भविष्य में आपसी मेलझोल बना रहे और संस्था व पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आपके अनुभवों का फायदा मिल सके। उन्होंने एलुमिनी से ऑनलाइन या संस्था में आकर एक्सटेंशन लेक्चर देने की अपील की। स्टूडेंट फंड प्रेसिडेंट व ट्रेनिंग प्लेसमेंट ऑफिसर अनिल कुमार यादव प्रमुख शिक्षकों, अधिकारियों और एलुमनाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान पुराने छात्र-छात्राओं ने अपने करियर में हासिल की गई सफलता और संस्थान से मिले योगदान के बारे में बात की। साथ ही वर्तमान छात्रों को प्रेरित करने के लिए उन्होंने अपने अनुभव भी साझा किए। एलुमिनी मीट में वक्ताओं ने संस्थान के विकास के लिए सुझाव दिए और यह भी कहा कि संस्थान का माहौल और शिक्षा जीवन के विभिन्न पहलुओं में सफलता पाने में मदद करती है। इस मौके पर एक गाने और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसने उपस्थित सभी को आनंदित किया। आखिरकार यह मीटिंग एक बेहतरीन पहल साबित हुई, जिसने पूर्व छात्रों को एकसाथ लाकर पुराने दिनों को याद करने और भविष्य की दिशा में सहयोग बढ़ाने का एक अवसर प्रदान किया। इस एलुमिनी मीट के आयोजन पर संस्थान विकास यादव, योगेंद्र सिंह शेखावत, प्रदीप कुमार, ज्योति, अंजनी कुमार, संजीव सिंह, आकाश मिश्रा, मनोज कुमार, विनय यादव शिवम गुप्ता, अविनाश यादव, वर्षा अग्रवाल, विपुल शर्मा, जसविंद्र सिंह, अशोक कुमार, सिकंदर सिंह तथा स्टूडेंट फंड कमेटी के विद्यार्थी मौजूद रहे।

- प्रधानाचार्य अनिल यादव ने सभी एलुमिनी से अनुरोध किया कि आप संस्था की एलुमिनी एसोसिएशन को रजिस्टर कराएं, ताकि भविष्य में आपसी मेलझोल बना रहे और संस्था व पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आपके अनुभवों का फायदा मिल सके

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005